उत्तर प्रदेश में फसल-विशिष्ट बोर्ड स्थापित किये जाएंगे

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार **50,000 करोड़ रुपए के वार्षिक कृषि निर्यात के लक्ष्य को प्राप्त करने** की दिशा में एक कदम के रूप में **फसल-विशिष्ट वस्तु बोर्ड स्थापित करने की योजना बना रही है।**

मुख्य बिंदु

- इस पहल का **उद्देश्य** अगले चार वर्षों में **कृषि उत्पादकता को बढ़ावा देना, खाद्य प्रसंस्करण को उत्प्रेरित करना और कृषि मूल्य शृंखला को पुनः सक्रिय** करना है।
    - **रोज़गार सृजन के लिये सरकार कृषि-केंद्रित स्टार्टअप को बढ़ावा दे रही है।**
    - राज्य में स्ट्रॉबेरी, ड्रैगन फ्रूट और फूलों जैसे बागवानी उत्पादों की भारी मांग है।
- भारतीय मसाला बोर्ड की तर्ज़ पर राज्य स्तरीय बागवानी वस्तु बोर्ड स्थापित किये जाएंगे।
- **भारतीय खाद्य एवं कृषि चैंबर (Indian Chamber of Food and Agriculture- ICFA)** ने कृषि उद्योग और निर्यात को बढ़ावा देने हेतु **उत्तर प्रदेश राज्य कृषि परिषद** का गठन किया है।
    - **इससे सरकार, कृषि विशेषज्ञों और किसानों के बीच समंवय को बढ़ावा मिलेगा।**
    - परिषद **सतत् कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने,** बाज़ार पहुँच बढ़ाने और निर्यात को समर्थन देने पर ध्यान केंद्रित करेगी।
    - **यह फरवरी 2025 में लखनऊ में 'एग्रो वर्ल्ड 2025' शिखर सम्मेलन की मेज़बानी करेगा।**

भारतीय मसाला बोर्ड

- मसाला बोर्ड का गठन 26 फरवरी, 1987 को **मसाला बोर्ड अधिनियम, 1986** के अंतर्गत तत्कालीन **इलायची बोर्ड (वर्ष 1968)** और **मसाला निर्यात संवर्द्धन परिषद (वर्ष 1960) के विलय से किया गया था।**
- वाणिज्य विभाग के अंतर्गत **पाँच वैधानिक कमोडिटी बोर्ड** हैं।
    - ये बोर्ड **चाय, कॉफी, रबर, मसालों और तंबाकू के उत्पादन, विकास तथा निर्यात के लिये** ज़िम्मेदार हैं।
- **यह 52 अनुसूचित मसालों के निर्यात संवर्द्धन और इलायची के विकास** के लिये ज़िम्मेदार है।
- मसाला बोर्ड भारतीय मसालों के विकास और विश्वव्यापी प्रचार-प्रसार के लिये **प्रमुख संगठन** है।
- बोर्ड भारतीय निर्यातकों और विदेशी आयातकों के बीच एक **अंतर्राष्ट्रीय कड़ी** है।

भारतीय खाद्य एवं कृषि चैंबर (ICFA)

- पूर्व में भारतीय खाद्य एवं कृषि परिषद के नाम से जानी जाने वाली भारतीय खाद्य एवं कृषि चैंबर की **स्थापना वर्ष 2015 में हुई थी।**
- यह **भारत में शीर्ष निकाय है,** जो **व्यापार, नीति और विकास एजेंडा** पर कार्य करता है **तथा व्यापार सुविधा, साझेदारी, प्रौद्योगिकी एवं कृषि व्यवसाय सेवाओं** के लिये एक वैश्विक मंच के रूप में कार्य करता है

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/uttar-pradesh-to-set-up-crop-specific-boards